दून हाईलाईट्स प्रकाशक, सम्पादक, प्रो०भोलानाथ त्रिवेदी, 48 रीठामण्डी, देहरादून – उत्तराखण्ड। प्रकाशन तिथि : 30.06.2011

श्री एल.डी. सिंघल
(चेयर मेन, जे.बी. इन्टीट्यूट आफ टेक्नालाजी)

JIB INSTITUTE OF TECHNOLOGY
APPROVED BY AICTE, MINISTRY OF HRD, GOVT. OF INDIA., AFFILIATED TO UTTARAKHAND TECHNICAL UNIVERSITY, DEHRADUN
Admission Notice
B.TECH (CSE, ECE, IT, ME, CE, EE)
BCA 3yrs Program (10+2 with Maths)
BBA 3yrs Program (10+2 in any discipline)
SMS to JBIT to 56263
Salient Features :
• 100% Placement Assistance
• Dedicated Placement Cell for secure future
• Academic Collaboration with leading MNC's
• State of Art Infrastructure with disciplined Residential Campus of 20 acre + with wi-fi facility
• Consistent Career Counseling
• A/V Teaching Methodology
• Regular Workshop & Seminar
• Corporate visit for live training
• Active Member of CII

23 Mile Stone, NH-72, Vill. Shankarpur, Chakrata Road, Dehradun (UK)
Tel. : 9412057459, 9412053459 E-mail: info@jbitdoon.com Web.: www.jbitdoon.com

विद्यार्थियों को प्रतिभावान बनाना हमारा उद्देश्य

श्री एल.डी. सिंघल (चेयर मेन, जे.बी. इन्टीट्यूट आफ टेक्नालाजी)

हमारी शिक्षा पद्धति का कार्य विद्यार्थी में योग्यता को लाते हुए समय–समय पर जांच करना जो पढ़ाने–लिखाने से बढ़ती है और बिना पढ़ाई लिखाई के घटती है, जो जन्मजात न ही, अनुकूल शिक्षा पद्धति पर अनुभव पर आश्रित है। चित्त की प्रसन्न अवस्था विद्यार्थी को, शिक्षाध्ययन में एकाग्रता, कुशाग्रता से योग्यता में स्वाभाविक बुद्धि करती है। हमारी शिक्षण संस्था उसी के अनुरुप संचालित है और विद्याध्यन के समय उच्चकोटि कीं बुद्धि का क्रमबद्ध सृजन कराते हुए शिक्षक विद्यार्थी को अपनी दिशा में उन्नति करने का पूर्ण अवसर दे जिससे हमारे शिक्षण संस्थान के विद्यार्थियों की योग्य शक्ति मानसिक शक्ति के रुप में परिणत हो।

शिक्षा का उद्देश्य उत्कष्ट बु द्धि का जो शक्ति विद्यार्थी में है उसमें है उसे अपनी शक्ति को विकसित करने के लिए अवसर देने की आवश्यकता है। आप में योग्यतानुसार कुछ बनने की सम्भावनायें साकार हो। हमारे शिक्षण संस्थान में प्रखर योग्य–शिक्षकों द्वारा शिक्षा व्यवस्था है ताकि शिक्षक विद्यार्थी को शिक्षा सम्बन्धी एक ही बात के भिन्न–भिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालें।

प्रायः ऐसा देखा जाता है कि शिक्षक कई बार शिक्षा सम्बन्धी एक ही बात को बालकों के मस्तिष्क में जड़ बनाने के लिए दोहराते रहते हैं। मगर नवीनता ध्यान का दूसरा नियम है उस बात को कई या भिन्न भिन्न पहलुओं से प्रकाश डालने पर पुरानी बात भी विद्यार्थी का ध्यान खींच लेती है। विद्यार्थी रुचि से हर योग्य पहलू को समझ जाता है क्योंकि बालक में जिज्ञासा अर्थात् नई बात को जानने का भाव जन्मसिद्ध है। शिक्षक उस जिज्ञासा का शिक्षण संस्थान की ख्याति हेतु लाभ उठाये शिक्षण संस्थान उद्देश्य रखती है।